दिनांक:14 सितंबर 2019

प्रेस विज्ञप्ति

क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद (प्रयागराज) में हिंदी पखवाड़े का आरंभ

आज महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यायल वर्धा महाराष्ट्र के क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद (प्रयागराज) में

हिंदी दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया । कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद के प्रभारी प्रो.अखिलेश कुमार दुबे द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र –छात्राओं द्वारा अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गए। छात्रों ने वर्तमान समय में हिंदी की उपयोगिता पर विचार प्रस्तुत किये। अनुभाग अधिकारी श्री शम्भूदत्त सती ने हिंदी भाषा के साथ- साथ सभी भारतीय भाषाओं के संवर्धन करने का विचार प्रस्तुत किया। समाजकार्य के प्राध्यापक डॉ .प्रभात कुमार सिंह ने हिंदी को मातृभाषा के रूप में आगे बढ़ाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के संघर्ष में क्षेत्रीय भाषाओं ने पुरे देश को एकजुट किया। राजनीति विज्ञान की अध्यापक डॉ .आशा मिश्रा ने कहा "हिंदी भाषा के पिछड़ेपन के लिए हम स्वयं

जिम्मेदार हैं। हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को बचाना है तो हिंदी भाषा को समृद्ध करना होगा। हिंदी को रोजगार से

जोड़ना होगा। हम संकल्प लेकर अपने घरों में एक दीपक जलायें जिससे पडोसी भी प्रेरित होकर हिंदी का सम्मान करें।

उन्होंने हिंदी भाषा के विकास हेतु संवैधानिक प्रयास एवं उसमें संशोधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। भारत के सर्वांगीण विकास के लिए हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में जोड़ना होगा"। अनुवाद अध्ययन की सहायक प्राध्यापक डॉ . अनुराधा पाण्डेय ने कहा, आज का दिन बहुत सोच-समझ कर रखा गया है। भाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करने का उपक्रम बलवान होना चाहिए। औपनिवेशिक दृष्टिकोण से भाषाई परेशानी बढ़ेगी। हमें सावधान रहना चाहिए। अन्यथा देश की एकता टूट जाएगी। कार्यक्रम के अतिथि श्री अरुण चौधरी ने कहा कि हमने अपनी चीजों का मान नहीं किया। वह शिक्षा जिसमें मानवीय संवेदना न हो ,वह व्यर्थ है। अपनी भाषा एवं संस्कृति का संरक्षण अवश्य होना चाहिए। घर-घर हिंदी दिवस मनाना चाहिए। केंद्र के प्रभारी प्रो.अखिलेश कुमार दुबे जी ने कहा कि हिंदी भाषा का विकास तेजी से हो रहा

है और इसके विकास में संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डाला। वर्तमान समय में विश्व भर में हिंदी का विकास सिनेमा ,पत्र

-पत्रिकाओं इन्टरनेट और व्यापार द्वारा हो रहा है। हिंदी को आगें ले जाने में युवाओं का जागरूक होना बहुत जरुरी है। युवाओं को बढ़ चढ़ कर हिंदी के विकास और विभिन्न भेदभावों को समाप्त करने के लिए तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ .सुशील कुमार पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रोफ़ेसर डॉ .अवंतिका शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में सहायक कुलसचिव श्री विनोद वैद्य ,श्री देवमूर्ति द्विवेदी ,राहुल ,प्रमोद ,रश्मि ,अंजलि ,आकाश ,नागेन्द्र , अरविन्द ,अमन इत्यादि छात्र प्रमुखता से उपस्थित रहें।